UNIT II syllabus start
Lesson- 10 to 14 (Lesson-10 work)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

(क) क्रिया-विशेषण किसे कहते हैं? उदाहरण सहित लिखो।

उत्तर: क्रिया- विशेषण - जिन अविकारी शब्दों से क्रिया की विशेषता ज्ञात होती है, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं। जैसे -
हमें रोज़ नहाना चाहिए।
बूढ़ा आदमी धीरे-धीरे चलता है।
ऊपर लिखे वाक्यों में, रेखांकित शब्द 'रोज़' और 'धीरे-धीरे' शब्द क्रिया की विशेषता बता रहे हैं, अतः ये शब्द क्रिया-विशेषण हैं।

(ख) क्रिया-विशेषण के कितने भेद होते हैं? उनके नाम लिखकर किन्हीं दो को परिभाषित करो।

उत्तर:- क्रिया-विशेषण के चार भेद होते हैं।
1. कालवाचक क्रिया-विशेषण
2. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण
3. रीतिवाचक क्रिया-विशेषण
4. परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

काल वाचक क्रिया-विशेषण - जो शब्द क्रिया

Date ________ Page No. ________

4. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ -

(क) 'किंतु', 'अपितु', 'लेकिन' आदि समुच्चयबोधक हैं:-
उत्तर विरोध सूचक

(ख) वह स्कूल नहीं गया ——— वह बीमार था।
उत्तर परिणाम सूचक

(ग) समुच्चयबोधक के भेद होते हैं:-
उत्तर: चार

(घ) 'और', 'एवं', 'तथा', 'अर्थात', 'जो कि' आदि समुच्चयबोधक हैं:-
उत्तर संयोजक

(ङ) 'यद्यपि', 'तथापि', 'अतः', 'इसलिए' आदि समुच्चयबोधक हैं:-
उत्तर:- परिणाम सूचक

Date __/__/____ Page No. ____

संबंधबोधक

Lesson - 11
(do this work in copy)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

(क) संबंधबोधक अव्यय किसे कहते हैं? दो - दो उदाहरण सहित समझाओ।

उत्तर: संबंधबोधक अव्यय → वे अविकारी शब्द जो संज्ञा या सर्वनाम के साथ जुड़कर वाक्य के अन्य शब्दों से संबंध का बोध कराते हैं, संबंधबोधक अव्यय कहलाते हैं। जैसे -

(i) चिड़िया डाल के ऊपर बैठी है।

(ii) घर के पीछे पेड़ है।

ऊपर लिखे वाक्यों में 'के ऊपर' और 'के पीछे' शब्द संज्ञा शब्दों के साथ प्रयुक्त होकर इनका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ बता रहे हैं। अतः ये संबंधबोधक अव्यय हैं।

(ख) अर्थ के आधार पर संबंधबोधक अव्यय के भेद उदाहरण सहित लिखो।

उत्तर: अर्थ के आधार पर संबंधबोधक अव्यय के निम्नलिखित भेद होते हैं।

कालवाचक :- के पहले, के बाद, के आगे आदि

स्थानवाचक :- के अंदर, के बाहर, के ऊपर आदि।

1. विशेषण विकारी शब्द है, जिसके रूप में लिंग तथा वचन के अनुसार परिवर्तन होता है, जबकि क्रिया-विशेषण अविकारी शब्द है, जिसमें लिंग तथा वचन के कारण परिवर्तन नहीं होता है।

2. विशेषण शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता प्रकट करते हैं, जबकि क्रिया-विशेषण केवल क्रिया की विशेषता बताते हैं। उदाहरण-

विशेषण	क्रिया - विशेषण
(क) अच्छा लड़का	(क) राकेश अच्छा बोलता है।
(ख) अच्छी लड़की	(ख) निशा अच्छा बोलती है।
(ग) अच्छे लड़के	(ग) बच्चे अच्छा बोलते हैं।

Do this work in book

3. निम्नलिखित वाक्यों से संबंधबोधक अव्यय छाँटकर भेद बताओ -

(क) किशोर बस की तरफ जा रहा था।
की तरफ — दिशावाचक

(ख) कक्षा के अंदर सब बिलकुल शांत बैठे थे।
के अंदर — स्थानवाचक

(ग) मेरे घर के सामने एक पेड़ है।
के सामने — तुलनावाचक

(घ) मुझे पूड़ी की अपेक्षा रोटी पसंद है।
की अपेक्षा — तुलनावाचक

(ङ) उसने भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाई।
के विरुद्ध — विरोधवाचक

संबंधबोधक अव्यय के भेद लिखो -

(क) रमेश के आने के पहले तुम चले जाना। — कालवाचक
(ख) मेरा विद्यालय समीप ही है। — दिशावाचक
(ग) माया, सीता की अपेक्षा अधिक चतुर है। — तुलनावाचक
(घ) मेज के ऊपर किताब रखी है। — स्थानवाचक
(ङ) रवि तुम्हारी तरह तेज दौड़ता है। — समतावाचक

5. सही विकल्प का चुनाव करो।

(क) (अ) संज्ञा या सर्वनाम
(ख) (ब) दिशावाचक
(ग) (ब) तीन
(घ) (अ) हेतुवाचक
(ङ) (ब) उभयविध

Date __/__/____ Page No. ____

के होने के समय का बोध कराते हैं, वे कालवाचक क्रिया-विशेषण कहलाते हैं। उदाहरण-

(क) वह प्रतिदिन व्यायाम करता है।
(ख) मैं अभी आया।
(ग) कल बाज़ार चलेंगे।
(घ) फिर कभी मुलाकात होगी।

उपरोक्त उदाहरणों में 'प्रतिदिन', 'अभी', 'कल' और 'कभी' शब्द क्रिया के होने के समय का ज्ञान करा रहे हैं। अतः ये कालवाचक क्रिया-विशेषण हैं।

2. स्थानवाचक क्रिया-विशेषण - जो शब्द क्रिया के होने के स्थान का बोध कराते हैं, वे स्थानवाचक क्रिया-विशेषण हैं। उदाहरण -

(क) पतंग ऊपर उड़ रही है।
(ख) यहाँ आकर बैठो।
(ग) सारा सामान इधर-उधर बिखरा है।
(घ) ईश्वर चारों ओर है।

उपरोक्त उदाहरणों में 'ऊपर', 'यहाँ', 'इधर-उधर' और 'चारों ओर' शब्द क्रिया के होने के स्थान का बोध करा रहे हैं। अतः ये स्थानवाचक क्रिया-विशेषण हैं।

ग) विशेषण और क्रिया-विशेषण में क्या अंतर है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट करो।

उत्तर: विशेषण और क्रिया-विशेषण में अंतर -

Lesson - 10 book work
(Fill your book only.)

2. निम्नलिखित वाक्यों से क्रिया-विशेषण चुनकर उनके भेद बताओ -

(क) वह कल मुझे मिलेगा।
उत्तर कल — कालवाचक क्रिया-विशेषण

(ख) सारा सामान यहाँ-वहाँ बिखरा है।
उत्तर यहाँ-वहाँ — स्थानवाचक क्रिया-विशेषण

(ग) संभवत: वह चला गया होगा।
उत्तर संभवत: — कालवाचक क्रिया-विशेषण

(घ) वह बहुत पैसा कमाना चाहता है।
उत्तर बहुत — परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

(ङ) यह काम धीरे-धीरे करो।
उत्तर धीरे-धीरे — रीतिवाचक क्रिया-विशेषण

(च) पतंग ऊपर उड़ रही है।
उत्तर ऊपर — स्थानवाचक क्रिया-विशेषण

(छ) स्वयं से भी थोड़ा अभ्यास करो।
उत्तर थोड़ा — परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण

3. दिए गए क्रिया-विशेषण शब्दों से रिक्त स्थान भरो -

(क) मेरा घर पूर्व है।
(ख) किसका फ़ोन बार-बार आ रहा है?
(ग) वह अचानक गिर पड़ा।

Date ___/___/_____ Page No. _____

Lesson- 12. समुच्चयबोधक

(Do this work in copy)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

1.

प्रश्न:- समुच्चयबोधक किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाओ।

उत्तर:- समुच्चयबोधक अव्यय- जो अव्यय शब्द दो या दो से अधिक शब्दों अथवा उपवाक्यों को जोड़ते हैं उन्हें समुच्चयबोधक अव्यय या योजक कहते हैं; जैसे- और, अथवा, किंतु, अतः, क्योंकि, ताकि, इसलिए, तो, तथापि, अन्यथा, या आदि।

प्रश्न:- संयोजक और विरोध सूचक समुच्चयबोधक में क्या अंतर है?

उत्तर:- जो अव्यय दो अथवा दो से अधिक शब्दों अथवा वाक्यांशों या वाक्यों को जोड़ने में प्रयोग होते हैं, उन्हें संयोजक कहते हैं; जैसे-

i) राम और रमेश साथ जाते हैं।

ii) पिता तथा पुत्र एक साथ जाते हैं।

जबकि दो वाक्यों में विरोध प्रदर्शित करते हैं तथा उनमें से किसी एक के निषेध अथवा ग्रहण का बोध कराते हैं, उन्हें विरोध सूचक कहते हैं; जैसे-

i) उसे मत बुलाओ बल्कि स्वयं चले आओ।

ii) चेतना आई थी किंतु नमिता न आ सकी।

Do this work in copy :-

संधि और समास

Lesson - 14

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

1.

प्रश्न: संधि किसे कहते हैं? संधि के कितने भेद होते हैं?

उत्तर: संधि :- दो निकटवर्ती वर्णों के परस्पर मेल होने से जो विकार होता है, वह संधि कहलाता है. जैसे. शिव + आलय = शिवालय (अ + आ = आ)।
संधि के तीन भेद होते हैं।

प्रश्न :- समास किसे कहते हैं? ये कितने प्रकार के होते हैं? नाम लिखो।

उत्तर : समास : दो या दो से अधिक पदों से मिलकर बने स्वतंत्र एवं सार्थक पद को समास कहते हैं; जैसे- राजा का महल = राजमहल। समास छः प्रकार के होते हैं।

1. अव्ययीभाव समास
2. तत्पुरुष समास
3. द्विगु समास
4. द्वंद्व समास
5. कर्मधारय समास
6. बहुव्रीहि समास

प्रश्न :- अव्ययीभाव समास की परिभाषा उदाहरण सहित लिखो।

उत्तर :- जिस समस्तपद (सामासिकपद) का प्रथम पद प्रधान व अव्यय हो, वह अव्ययीभाव समास कहलाता है। जैसे: हर रोज़ - रोज़-रोज़।

Do this work in book

2. दिए गए समुच्चयबोधक शब्दों द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति करो -

(क) सूखा पड़ गया क्योंकि वर्षा नहीं हो रही।
(ख) रामू परिश्रम करता है इसलिए प्रथम आता है।
(ग) यद्यपि वह गरीब है तथापि ईमानदार है।
(घ) वह अमीर है लेकिन फ़कीर जैसा रहता है।
(ङ) यदि परिश्रम करोगे तो सफलता अवश्य मिलेगी।
(च) कुछ ऐसा करो जिससे दुनिया याद करे।
(छ) यह पढ़ने का समय है अतः मैं नहीं खेलूँगा।

3. निम्नलिखित वाक्यों में समुच्चयबोधक छाँटकर भेद बताओ -

(क) राम और करन दोनों पढ़ रहे हैं। संयोजक समुच्चयबोधक
(ख) हमने राजेश को बुलाया था लेकिन वह आ न सका। विरोधसूचक
(ग) वह पास नहीं हुआ क्योंकि उसने पढ़ाई नहीं की थी। परिणाम सूचक
(घ) चूँकि वह थका था इसलिए सो रहा है। परिणाम सूचक
(ङ) यदि इज्ज़त चाहते हो तो दूसरों की इज्ज़त करो। विकल्प सूचक

Date __/__/____

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद करो तथा संधि का नाम लिखो -

देवेन्द्र	देव + इन्द्र	—	स्वर संधि
जगदीश	जगत् + ईश	—	व्यंजन संधि
दिग्दर्शन	दिक् + दर्शन	—	व्यंजन संधि
सज्जन	सत् + जन	—	व्यंजन संधि
मनोहर	मनः + हर	—	विसर्ग संधि

3. निम्नलिखित शब्दों में समास विग्रह करो -

समस्तपद	समस्त विग्रह
यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार
प्रत्येक	एक - एक
स्वर्गप्राप्त	स्वर्ग को प्राप्त
ईश्वरभक्त	ईश्वर का भक्त
तुलसीकृत	तुलसी द्वारा कृत

4. निम्नलिखित शब्दों की संधि करो -

संधि विच्छेद		संधि शब्द
पुस्तक + आलय	=	पुस्तकालय
मनः + हर	=	मनोहर
निः + चय	=	निश्चय
नर + ईश	=	नरेश
देव + इन्द्र	=	देवेन्द्र

(घ) ईश्वर सर्वत्र है।
(ङ) बच्चा लगातार रो रहा था।
(च) बेटी कम खाती है।
(छ) हमें प्रतिदिन पढ़ना चाहिए।

4. दिए गए प्रश्नों मे सही विकल्प चुनो -

(क) जो शब्द घटना होने के ढंग का बोध कराते हैं, वे कहलाते हैं -
उत्तर रीतिवाचक क्रिया- विशेषण
(ख) जो क्रिया की विशेषता बताएँ, उन्हें कहते हैं -
उत्तर क्रिया - विशेषण
(ग) 'वह कम बोलती है' मे क्रिया- विशेषण है -
उत्तर कम
(घ) 'ईश्वर चारों ओर है' मे कौन-सा क्रिया- विशेषण है?
उत्तर स्थानवाचक क्रिया - विशेषण
(ङ) 'तेजी', 'जल्दी-जल्दी', 'धीरे-धीरे', 'अचानक' क्रिया विशेषण से संबंधित है?
उत्तर रीतिवाचक क्रिया - विशेषण

5. दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाओ -

(क) प्रथम पद अव्यय है -
उत्तर: (अ) अव्ययीभाव समास

(ख) निः + रोग में संधि होगी -
उत्तर: (ब) विसर्ग संधि

(ग) 'परीक्षार्थी' शब्द का संधि - विच्छेद होगा -
उत्तर: (अ) परीक्षा + अर्थी

(घ) समास के भेद होते हैं -
उत्तर: (ब) 6 :

(ङ) जगत् + ईश में संधि होगी -
उत्तर: (स) व्यंजन संधि

do this work in book

जोड़े मिलाओ -

2. क) प्रशंसाबोधक - शाबाश! तुमने तो कमाल कर दिया।
ख) शोकबोधक - हे राम! यह कैसे ठीक होगा।
ग) घृणाबोधक - छि:! तुम कितने गंदे हो।
घ) संबोधनबोधक - अरे! आप आ गए।
ङ) अभिवादनबोधक - स्वागतम्! आप मेरे घर पधारे।

दिए गए प्रश्नों में सही विकल्प चुनें -

3 क) हर्ष, शोक, घृणा आदि भावों को प्रकट करने वाले अव्यय शब्दों को कहते हैं-
उत्तर:- विस्मयादिबोधक
ख) शाबाश! उदाहरण है -
उत्तर:- प्रशंसाबोधक
ग) खबरदार! उदाहरण है -
उत्तर:- चेतावनीबोधक
घ) बाप रे बाप! उदाहरण है -
उत्तर:- भयबोधक
ङ) काश! उदाहरण है -
उत्तर:- इच्छाबोधक

दिशावाचक :- सामने, निकट, दूर, समीप आदि।
साधनवाचक :- के द्वारा, के जरिए, निमित्त आदि।
समतावाचक :- के अनुसार, के सदृश, तुल्य आदि।
हेतुवाचक :- के लिए, के कारण, हेतु आदि।
व्यतिरेकवाचक :- के अलावा, रहित, सिवाय आदि।
तुलनावाचक :- की अपेक्षा, के आगे, के समान आदि।
सहचरवाचक :- के संग, के साथ, समेत आदि।
विरोधवाचक :- प्रतिकूल, के विरुद्ध, खिलाफ आदि।

2. संबंधबोधक और क्रिया-विशेषण में अंतर स्पष्ट करो -

उत्तर :- क्रिया-विशेषण और संबंधबोधक में अंतर -
क्रिया-विशेषण का प्रयोग क्रिया की विशेषता बताने के लिए किया जाता है तथा संबंधबोधक अव्यय का प्रयोग संज्ञा या सर्वनाम के साथ होता है। उदाहरण —

क्रिया-विशेषण

(क) हमें पहले जान लेना चाहिए था।
(ख) तुम ऊपर चढ़ो।
(ग) छात्र भीतर हैं।

संबंधबोधक

(क) हम जाने से पहले अवश्य मिलकर जाएँगे।
(ख) तुम पेड़ के ऊपर चढ़ो।
(ग) छात्र कक्षा के भीतर हैं।

विस्मयादिबोधक

Lesson-13

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो -

1.

(क) विस्मयादिबोधक अव्यय किसे कहते हैं? उदाहरण सहित समझाओ।

उत्तर:- विस्मयादिबोधक अव्यय: जिन अव्यय शब्दों से हर्ष, शोक, ग्लानि, लज्जा, घृणा आदि के भाव प्रकट होते हैं, वे विस्मयादिबोधक अव्यय कहलाते हैं। प्रयोग में इन शब्दों के बाद '!' का चिह्न लगाते हैं। जैसे -

1. वाह! क्या भोजन बना है?
2. अरे! मैं कैसे हुआ?
3. हे राम! यह कैसे ठीक होगा?

2. विस्मयादिबोधक अव्यय के किन्हीं पाँच भेदों के नाम लिखकर दो-दो उदाहरण भी दो।

1. शोकबोधक:- हे राम!, बाप रे!
2. घृणाबोधक:- धि:! धि:!, धिक्कार!
3. अभिवादनबोधक:- स्वागतम!, नमस्कार!
4. इच्छाबोधक:- काश!, हाय!